भारत का राजपत्र The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सन्ध 3—उपसन्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 630]

नई बिल्ली, बचवार, विसम्बर 22, 1971/पीज 1, 1893

No. 630]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER, 22, 1971/PAUSA 1, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रजा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADS (Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 22nd December 1971

S.O. 5567.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of just products manufactured in the industrial undertaking known as Katihar Jute Mills, Katihar, for which having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints for the purposes of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

1. Shri S. P. Mukerjee, Jute Commissioner.

Members

- 2. Shri K. K. Chatterjee, Industrial Adv., Jute Commissioner's Office.
- 3. Shri M. K. Behl, Secretary, National Textile Corporation
- 4. A representative of the Bihar Govt.
- 5. Shri N. K. Ghosh, Technical Consultant C/O Jute Commissioner's Office.

Member-Secretary

6. Shri N. C. Kundu, Asstt. Cost Accounts Officer, Jute Commissioner's Office.

[No. F. 9(35)/Lic. Pol./71-L]

श्रीद्योगिक विकास तथा आस्तरिक ध्यापार मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1971

का० आ० 5567.—स्यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि कटिहार जुट मिल्स, कटिहार नामक श्रौद्योगिक उपक्रम में किर्मित पटसन के उत्पादों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिणाम में काफी गिरावट हुई है जिसके लिए वहां वर्तमान श्राधिक स्थितियों को देखते हुए कोई श्रौचित्य नहीं है।

भतः, श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकास की एतद्द्वारा निसुवित करती हैं:---

(1)	श्री एम० पी० मुकर्जी, पटसन श्रायुक्त ।	भव्यक
(2)	श्री के० के० चटर्जी, श्रौद्योपिक सलाहकार, पटसन श्रायुक्त का कार्यालय ।	सदस्य
(3)	श्री एम० के० बहल, सचिव, राष्ट्रीय वस्स्र निगम ।	सस्दम
(4)	बिहार सरकार का एक प्रतिनिधि ।	सदस्य
(5)	श्री एच० के० घोष, तकनीकी सलाहकार, द्वारा पटसन भ्रायुक्त, का कार्यालय ।	सदस्य
(6)	श्री एन० सी० कुण्डू, सहायक लाणत लेखा ग्रधिकारी, पटसन श्रायुक्त का कार्यालय ।	सदस्य-सचिव

[सं० फ० 9(35)/साई० पौल/71-I]

S.O. 5568.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of jute products manufactured in the industrial undertaking known as Rai Bahadur Hurdutory Motilal Jute Mills (P) Ltd. P. O. Katihar Mills Distt. Purnea, for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby appoints for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

1. Shri S. P. Mukerjee, Jute Commissioner

Members

- 2. Shri K. K. Chatterjee, Industrial Adv. Jute Commissioner's Office.
- 3. Shri M. K. Behl, Secretary, National Textile Corporation.

- 4. A representative of the Bihar Govt.
- 5. Shri H. K. Ghosh. Technical Consultant c/o Jute Commissioner's office.

Member-Secretary

6. Shri N. C. Kundu, Asstt. Cost Accounts Officer, Jute Commissioner's office.

[No. F. 9(35)/Lic. Pol./71-II.]

का॰ ग्रा॰ 5568.--यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि राय बहादुर हरदत्त रंय मोतीलाल जूट मिल्स (प्रा॰) लि॰, पो॰ ग्रा॰ कटिहार मिल्स जिला पूर्तिया नामक भौगोगिक उपक्रम में निर्मित पटसन के उत्पादों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में काफी गिराबट हुई है जिसके लिए वहां वर्तमान ग्राथिक स्थितियों को देखते हुए कोई ग्रीचित्य नहीं है।

भतः, भव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मामले की र्परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्य निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकास की एतवृद्धारा नियुक्ति करती हैं :---

(1) श्री एस० पी० मकर्जी, पटसन धामक्त भ्रष्टमक

(2) श्री कें ॰ के ॰ चटर्जी, श्रीद्योगिक सलाहकार, पटसन श्रायुक्त का सदस्य सदस्य

(3) श्री एम० के० बहल, सदस्य सचिव, राष्टीय वस्त्र निगम ।

(4) बिहार सरकार का एक प्रतिनिधि। सबस्य

(5) श्री एवं के बोष, तकनीकी सलाहकार, सदस्य द्वारा पटसन श्रायुक्त का कार्यालय।

(6) श्री एन० सी० कुण्डू, सदस्य-सिषव सहायक लागत लेखा श्रविकारी, पटसन श्रायुक्त का कार्यासय।

[सं॰ फ॰ 9(35)/लाई पौल./71-II]

8.0. 5569.—Whereas the Central Government is of the opinion that there is ikely to be substantial fall in the volume production in respect of jute products manufactured in the industrial undertaking known as The Rameshwara Jute Mills Ltd., Muktapur, P. O. Samastipur, District Darbhanga, for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government aereby appoints for the purposes of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—CHAIRMAN

1. Shri S. P. Mukerjee, Jute Commissioner

Members

- 2. Shri K. K. Chatterjee, Industrial Adv. Jute Commissioner's Office.
- 3. Shri M. K. Behl, Secretary, National Textile Corporation.
- 4. A representative of the Bihar Govt.
- 5. Shri H. K. Ghosh, Technical Consultant c/o Jute Commissioner's office.

 Member-Secretary
 - 6. Shri N. C. Kundu, Asstt. Cost Accounts Officer, Jute Commissioner's office.

[No. F. 9(35)/Lic. Pol,/71-III.]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

का० भा० 5569.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि रामेण्यर जूट मिल्स लि॰ मुन्तपुर, पो॰ भा० समस्तीपुर, जिला दरभंगा नामक ग्रीबागिक उपक्रम में निर्मित पटसन के उत्पादों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में गिरावट होने की संभावना है जिसके लिए वहां वर्तमान ग्राधिक स्थितियों को देखते हुए कोई ग्रीचित्य नहीं है ।

श्रतः, श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की ारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र अवा पूर्ण जोच करने के प्रयोजनार्थ निग्निलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्द्वारा नियुक्ति करती है :---

(1)	श्री एस० पी० मुकर्जी, पटसन भ्रायुक्त ।	ग्रध्यक्ष
(2)	श्री के० के० चटर्जी, भौद्योगिक सलाहकार,	सदस्य
	पटसन मायुक्त का कार्यालय । हु	
(3)	श्री एम० के० बहल, सचिव, राष्ट्रीय वस्त्र निगम ।	सदस्य
(4)	बिहार सरकार का एक प्रतिनिधि ।	सदस्य
(5)	श्री एष० के० घोष, तकनीकी सलाहकार,	सदस्य
	द्वारा पटसन मायुक्त का कार्यालय ।	
(6)	श्री एम० सी० कुण्ड,	सदस्य-सचिव

(6) श्रीएम० सी० कुण्ड, सहायक जागत लेखा श्रीधकारी, पटसन श्रामुक्त का कार्यांत्रव ।

[सं**्रेफ॰ 9(35)/लाई॰ पौल/**71**–III]**

एस० फे० सङ्गल, संयुक्त सचिव ।